Success story of Nagrakata Block, Jalpaiguri

On Nursery Raising at Sulkapara G.P

पौधे बने कमाई के आधार

सुलकापाड़ा में पौधों की देखभाल करती महिलाएं

जाग[illegible]

नागराकाटा, संवाद सूत्र : सरकारी सहायता से पौधे लगाकर सुलकापाड़ा सहकारिता समूह की महिलाएं स्वावलंबी हो रही है। इसीबीच कुल तीस सहकारिता समूह की तीन सौ महिलाएं [illegible] के [illegible] 75 हजार पौधे तैयार की है। [illegible] इलाके के और भी विभिन्न सहकारिता [illegible] की महिलाओं में निःशुल्क [illegible]

♦ महिलाएं बन रहीं स्वावलंबी

गया है। गुरुवार को सुलकापाड़ा ग्राम पंचायत से करीब 35 हजार पौधों का वितरण किया गया। ग्राम पंचायत सूत्रों के अनुसार सौ दिनी काम के परियोजना व जिला ग्रामीण उन्नयन सेल के माध्यम से सहकारिता समूह की महिलाएं इन पौधों को बनाने में जुट गयी है। अबतक नींबू, पपीता, कटहल व सुपारी इन चार तरह के पौधे तैयार की जा रही हैं। अबतक जिन 75 हजार पौधों का वितरण किया गया है वे हैं पपीता व कटहल। सहकारिता समूह द्वारा उत्पादित इन पौधों को वितरण किया जा रहा है उसे अपने-अपने घर में ही रोपने से लाभ मिल सकता है। यह इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य भी है। सुलकापाड़ा ग्राम पंचायत के उपप्रधान संजीव बड़ुआ ने कहा कि सरकारी वित्तीय मदद से सौ दिनी काम के परियोजना के तहत जिन महिलाओं ने इन पौधों को तैयार किया है उन्हें भी भविष्य में इसका लाभ मिलेगा।

Published on 17th September 2010 at Dainik Jagran News Paper.